अध्याय
नौ

कारक

Case

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए-

1. पेड़ से फल गिरा।
2. बिल्ली मेज़ पर बैठी है।
3. हिमांशु ने कलम से पत्र लिखा।
4. सीमा की बहन स्कूल जा रही है।
5. पिता जी ने बच्चों के लिए खिलौने खरीदे।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'पेड़ से', 'मेज पर', 'हिमांशु ने', 'कलम से', 'सीमा की', 'पिता जी ने', 'बच्चों के लिए' पदों के साथ से, पर, ने, से, की, ने, के लिए चिह्न लगे हैं जो इन शब्दों का क्रिया तथा अन्य शब्दों से संबंध बता रहे हैं। कारक अर्थात् शब्द चिह्न। वाक्य में संज्ञा शब्दों का क्रिया के साथ संबंध अलग-अलग शब्द चिह्नों (कारकों) द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। इसके प्रयोग से वाक्य का स्वरूप स्पष्ट होता है।

संज्ञा तथा सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

कारक के भेद

कारक के आठ भेद हैं-

कारक	परसर्ग/विभक्ति चिह्न
1. कर्ता	ने
2. कर्म	को
3. करण	से, के द्वारा
4. संप्रदान	के लिए
5. अपादान	से (अलग होना)
6. संबंध	का, की, के / रा, री, रे
7. अधिकरण	में, पर
8. संबोधन	हे, अरे

कर्ता कारक

क्रिया को करने वाला कर्ता कहलाता है। शब्द के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का पता चले, उसे कर्ता कारक कहते हैं। कर्ता कारक का विभक्ति-चिह्न 'ने' है। कभी-कभी कर्ता कारक के साथ 'ने' विभक्ति का प्रयोग नहीं होता है।

उदाहरण–

(क) वैभव ने घड़ी खरीदी।

(ख) लड़की ने पुस्तक दी।

(ग) सानिया मिर्ज़ा मैच जीत गई।

(घ) चाँद चमक रहा है।

आपने देखा पहले और दूसरे वाक्य में 'ने' परसर्ग का प्रयोग हुआ है, परंतु तीसरे और चौथे वाक्य में 'ने' परसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में कौन, क्या, किसने आदि प्रश्न पूछकर कर्ता की पहचान की जाती है।

कर्म कारक

क्रिया का प्रभाव या फल जिस संज्ञा या सर्वनाम पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्म कारक का विभक्ति-चिह्न 'को' है। उदाहरण–

(क) कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिया।

(ख) मामा जी मैच देख रहे हैं।

(ग) माँ बच्चे को सुला रही है।

(घ) रजत पुस्तक पढ़ रहा है।

इन वाक्यों में अर्जुन को, मैच, बच्चे, पुस्तक आदि शब्द कर्म हैं। ये चारों संज्ञा शब्द क्रिया का आधार हैं। कभी-कभी कारक में 'को' परसर्ग का प्रयोग नहीं किया जाता। किंतु ऐसी स्थिति में कर्म कारक को पहचानने के लिए क्रिया से पूर्व क्या प्रश्न करते हैं जो उत्तर मिलता है वही कर्म होता है।

करण कारक

करण का अर्थ है– साधन। संज्ञा या सर्वनाम के जिस साधन द्वारा क्रिया संपन्न होती है, वही करण कारक होता है। करण कारक का विभक्ति-चिह्न 'से' तथा 'द्वारा' होता है। उदाहरण–

(क) अमन साइकिल द्वारा स्कूल जाता है।

(ख) दरज़ी ने कपड़े से थैला बनाया।

(ग) दादी ने दूध से खीर बनाई।

(घ) दिव्या ने फूलों से रंगोली बनाई।

इन वाक्यों में साइकिल, कपड़े, दूध तथा फूलों सभी करण कारक हैं। इन सबके साथ 'से' तथा 'द्वारा' परसर्गों का प्रयो
हुआ है।

संप्रदान कारक

कर्ता जिसके लिए कार्य करता है या जिसे कुछ देता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। संप्रदान कारक का विभक्ति-चि
'के लिए' तथा 'को' है। उदाहरण–

(क) माँ ने कल्पना के लिए गुड़िया खरीदी।

(ख) छात्राओं ने अध्यापिका को किताबें दीं।

(ग) मैंने माता जी के लिए चाय बनाई।

(घ) बच्चों ने अनाथालय को पुस्तकें भेंट दीं।

गृहकार्य

१. कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

२. कारक के भेदों के नाम लिखिए ।

३. कर्ता कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

४. कर्म कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

५. करण कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।

६. संप्रदान कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए ।